हिमाचल की स्पीति घाटी में सबसे दिलचस्प स्थानों में एक है ''धनकर गोम्पा'' या ''मठ-किला''। यह स्पीति और पिन नदियों के संगम पर 12,774 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। स्पीति घाटी का सबसे पहला उल्लेख 8 वीं शताब्दी की शुरुआत में मिलता है। तब इस क्षेत्र पर पश्चिमी तिब्बती साम्राज्य का कब्जा था, जिसका असर आज भी यहाँ की ''तिब्बती बोली'' में देखा जा सकता है। दसवीं शताब्दी में जब तिब्बत और उसके आसपास के क्षेत्रों में बौद्ध धर्म की एक नयी लहर चली हुई थी तब एक बौद्ध आध्यात्मिक नेता, रिनचेन सगंपो ने इस क्षेत्र में धनकर गोम्पा सहित कई मठों की स्थापना की। धनकर गोम्पा की दीवारों को थंगका चित्रकारी और भित्ति चित्रों से सजाया गया था। ये मठ बौद्ध धर्म के महायान संप्रदाय का अनुसरण करते थे, जिसमें बुद्ध को मानव के रुप में दिखाने की इजाजत थी। यही वजह है कि, इन मठों में सुंदर चित्रों व कलाकृतियों की भरमार थी। मठ के रुप में धनकर गोम्पा का वजूद एक सदी से भी कम समय तक रहा, क्योंकि बाद में इसमें कई बहुमंजिला इमारतें जोड़ दी गईं और इसकी किलाबंदी भी कर दी गई। इस मठ का नाम दो तिब्बती नामों ढाक (सीधी चट्टान) और कर (किला) को मिलाकर धक्कर खा गया था, जो बाद में धनकर हो गया। यह मठ भारत और तिब्बत को जोड़ने वाले व्यापारिक मार्गों में से एक प्रमुख मार्ग पर स्थित था, इसलिए तिब्बती व्यापारी स्पीति में अपने कारोबार के सिलसिले में ट्रांज़िट पास लेने के लिए यहीं आते थे। इस वजह से पश्चिमी तिब्बत के गूज और लद्दाख के बीच धनकर गोम्पा पर कब्जे के लिए लड़ाई हुई। इस लड़ाई में लद्दाख के नामज्ञाल राजा की जीत हुई, और उसने अपने स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में यहां एक 'नोनो' या सूबेदार (वज़ीर) की नियुक्ति की। सत्रहवीं सदी के मध्य तक नामज्ञाल राजवंश का प्रभाव कम होने लगा, और फिर नोनो ही राजा बन गया। बाद में इस मठ पर रणजीत सिंह का कब्जा हो गया और फिर अंग्रेजों का। धीरे-धीरे धनकर गोम्पा का महत्व कम होने लगा। सन् 1920 में प्राच्यविद् हेनरी ली शटलवर्थ के नेतृत्व में एक टीम धनकर आई, जहां उसे मठ के भीतर कई दस्तावेज और पत्र, मूर्तियां और पेंटिंग्स मिलीं। इनमें 11 वीं और 13 वीं शताब्दी की बुद्ध की एक कांस्य -प्रतिमा और रिनचेन सांगपो के कुछ दस्तावेज भी मिले, जिनसे स्पीति और बौद्ध धर्म के इतिहास को समझने में मदद मिली। सन् 2006 में वर्ल्ड मॉन्युमैंट्स फण्ड के वर्ल्ड मॉन्युमैंट्स वॉच प्रोग्राम ने इसे विश्व के सौ स्मारकों की सूची में शामिल किया।

यू.पी. में वोटिंग से एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरव्यू दिया

कृषि कानून क्यों वापस लिये व लखीमपुर घटना के बाद भी अजय मिश्रा से इस्तीफा क्यों नहीं लिया, आदि मुद्दों पर प्रधानमंत्री ने अपनी राय व्यक्त की

नई दिल्ली, 9 फरवरी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग से ठीक एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंटरव्यू सामने आया है। इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी समेत देश के कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी है। लखीमपुर की घटना के बाद अजय मिश्रा टेनी सरकार में क्यों हैं? प्रधानमंत्री मोदी ने इसका भी जवाब दिया है।

एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, यूपी की योगी सरकार नियम के मुताबिक काम करती है। लखीमपुर की घटना में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक सभी फैसले लिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जो कमेटी बनाना चाहती थी, राज्य सरकार ने सहमति दी। जिस जज के नेतृत्व में जांच चाहती थी सरकार ने सहमति दी। राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ काम कर रही है तभी सुप्रीम कोर्ट की इच्छा के अनुसार सारे निर्णय करती है।

कृषि कानूनों की वापसी के मामले में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, यह विधेयक किसानों के फायदे उनको लाभ दिलाने के लिए लाया गया था तथा विरोध के बाद राष्ट्रहित में इसे वापस ले लिया गया।

गौरतलब है कि, पिछले साल तीन अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के एक बयान से नाराज किसान टेनी के गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे। उसी दौरान वहां हिंसा भड़क उठी और उसमें चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी।

चार किसान व एक पत्रकार की मौत के मुकदमे में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष मिश्र समेत 14 आरोपियों के खिलाफ तीन जनवरी को चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अखिलेश यादव और जयंत चौधरी पर हमला बोलते हुए कहा कि दो लड़कों का खेल पहले भी देखा था, उनमें इतना अहंकार था कि उन्होंने गुजरात के दो गधों का शब्द प्रयोग किया था। लेकिन उन्हें यूपी ने सबक सिखाया। प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी और पंजाब चुनाव को लेकर बेबाकी से अपनी बात रखी।

■ **कृषि कानूनों की वापसी के मामले में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, यह विधेयक किसानों के फायदे तथा उनकी भलाई के लिए लाया गया था लेकिन विरोध के बाद राष्ट्रहित में इसे वापस ले लिया गया।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पहले चरण का मतदान गुरुवार यानि कल होना है। इस दौरान यूपी की 58 सीटों पर मतदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और जयंत चौधरी का नाम लिए बिना हमला बोला। कहा कि हमने पहले भी दो लड़कों का खेल देखा था।

उनमें इतना अहंकार था कि उन्होंने गुजरात के दो गढ़े (गधे) शब्दों का प्रयोग किया। यूपी ने उन्हें सबक सिखाया। एक बार उनके साथ दो लड़के और एक बुआ जी थे। फिर भी, यह उनके लिए कारगर नहीं हुआ।''

जैसलमेर ट्रक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सी.सी.आई. ने सोमवार को दिए अपने आदेश में कहा है कि, ट्रक यूनियन को अपनी कारगुजारियों से बाज आना चाहिए और इन्हें बंद कर देना चाहिए। सी.सी.आई. ने नाराजगी दिखाते हुए कहा कि, यह बात गलत है कि डम्पर ट्रक यूनियन, सी.जे.डी. लॉजिस्टिक्स कम्पनी को परिवहन के लिए अपने ट्रक इस्तेमाल नहीं करने देती है तथा कम्पनी को बाध्य करती है कि वो सिर्फ यूनियन के सदस्यों के ट्रकों व ड्राइवरों को ही परिवहन के लिए भाड़े पर ले, वो भी ऊँचे दामों पर। सी.सी.आई. ने टिप्पणी की कि, यूनियन और उसके सदस्यों ने ना केवल याचिकाकर्ता के वाहनों को कार्य करने की अनुमति प्रदान नहीं की, बल्कि वो उसके ड्राइवर्स व कर्मियों को यह धमकी भी दे रहे हैं कि यदि उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की तो उनके हाथ-पैर तोड़ दिए जाएंगे।

सी.सी.आई. ने प्राप्त सबूतों के आधार पर माना कि डम्पर ट्रक यूनियन परिवहन सेवाओं की कीमतें तय करके और इन सेवाओं के नियमों को अपने हिसाब से चलाकर कॉम्पटीशन एक्ट 2002 के प्रावधानों का उल्लंघन कर रही है। उसने यूनियन और उसके तत्कालीन चेयरमैन कुंवर राज सिंह से कहा कि वह ऐसे कृत्यों से बाज आए।

एमेज़ॉन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फ्यूचर ग्रुप को नोटिस जारी किया

सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी को करेगा

नई दिल्ली, 9 फरवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़ॉन की याचिका पर बुधवार को फ्यूचर ग्रुप को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया। मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमन की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की खंडपीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पांच जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली अमेज़ॉन की याचिका पर फ्यूचर ग्रुप को नोटिस जारी किया।

शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी को करेगी। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने अमेजॉन-फ्यूचर ग्रुप विवाद पर सिंगापुर ट्रिब्यूनल की मध्यस्थता प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया था। अमेज़ॉन ने इस फैसले को शीर्ष अदालत के समक्ष चुनौती दी है। अमेजॉन-फ्यूचर ग्रुप के बीच 24,713 करोड़ रुपये के वाणिज्य सौदे को लेकर कानूनी लड़ाई चल रही है। इसी सौदे के मामले में अमेज़ॉन की अनुमति के बिना फ्यूचर ग्रुप द्वारा रिलायंस रिटेल लिमिटेड को साझीदार बनाने के प्रस्ताव को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। फ्यूचर-रिलायंस के बीच प्रस्तावित सौदे के समझौते का अमेरिकी की प्रमुख ई-वाणिज्य कंपनी अमेज़ॉन विरोध कर रही है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान अपनी मंगलवार को की गई टिप्पणियों के संदर्भ में विभिन्न समाचार पत्रों में छपी खबरों पर स्थिति स्पष्ट की।

आज की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि इस कानूनी विवाद को अमेज़ॉन और फ्यूचर ग्रुप, दोनों ही कंपनियां लंबा खींचने का प्रयास कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने इसी मामले में एक अन्य मुद्दे पर सुनवाई के दौरान अमेजॉन द्वारा सात पन्नों की लिखित दलील पेश करने की अनुमति मांगने पर नाराजगी व्यक्त की थी। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेज़ॉन इस मामले को लंबा खींचना चाहती है।

■ **जैसा कि विदित है कि, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एमेज़ॉन-फ्यूचर ग्रुप विवाद पर सिंगापुर ट्रिब्यूनल की मध्यस्थता प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया था। एमेज़ॉन ने हाई कोर्ट के इस फैसले को शीर्ष अदालत के समक्ष चुनौती दी है।**

सुनील जाखड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समिति का अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। वे इस 25 सदस्यीय कमेटी के संयोजक तो थे ही, लेकिन ए.आई.सी.सी. महासचिव (संगठन प्रभारी) के.जी. वेणुगोपाल द्वारा जारी की गई प्रैस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्हें तुरंत प्रभाव से उक्त समिति के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने के लिये कह दिया गया है।

डेनमार्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तुलना में न्यूनतम है। डेनमार्क वासियों ने ''सामान्य'' स्थिति की वापसी का स्वागत किया है। पिछले सप्ताह फैरी (नाव) से आरहूस, जो डेनमार्क का दूसरा सबसे बड़ा नगर है, जाते समय, न्यूयॉर्क टाइम्स के संवाददाता ने कहा कि, नावों में सवार सैकड़ों यात्रियों में से, केवल मुट्ठीभर लोग मास्क पहने हुये थे। डेनमार्क में प्रतिबंधों की समाप्ति, एक ऐसे भविष्य के आगमन की सूचना हो सकती है, जिसमें आर्थिक सम्पन्नता वाले देश ''वायरस के साथ जी सकते हैं'', अगर वहाँ टीकाकरण की दर बहुत अधिक हो, विशाल जाँच-क्षमता हो तथा मजबूत चिकित्सा डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर हो। डेनमार्क में 81 प्रतिशत लोगों का टीकाकरण पूरा हो चुका है तथा 62 प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक ले चुके हैं। डेनमार्क के स्वास्थ्य मंत्री मैग्नस हॉनिके ने कहा, ''हमने जनता से वादा किया था कि, जितना जल्दी संभव हो सकेगा, हम सब कुछ खोल देंगे। लेकिन अगर कोई नया वैरिएंट आता है और लगता है कि वैक्सीन असर नहीं कर रही, तो हम कोई भी जरूरी कदम उठाने में संकोच नहीं करेंगे। यह (एक प्रकार से) हमारा इकरारनामा है।''

ममता बनर्जी के चुनाव एजेंट को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी

नई दिल्ली, 9 फरवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चुनाव एजेंट रहे एस. के. सुपियन को हत्या के एक मामले में बुधवार को अग्रिम जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने सुपियन की याचिका शर्तों के साथ स्वीकार की।

टीएमसी नेता सुपियन पर गत विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद नंदीग्राम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता देवव्रत मैती की हत्या का आरोप है। इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। आरोपी नेता ने कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा याचिका पर सुनवाई से इनकार करने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सर्वोच्च न्यायालय ने चार फरवरी को याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुनवाई के दौरान टीएमसी नेता सुपियन का पक्ष रखते हुए कहा था कि उनके मुवक्किल का नाम पिछले साल मई में अधिकारियों द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी या शिकायत में नहीं था और न ही सीबीआई द्वारा दायर आरोप पत्र में उनके नाम जिक्र था।

■ **ममता बनर्जी के चुनाव एजेंट एवं टीएमसी नेता सुपियन पर गत विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद नंदीग्राम में भाजपा कार्यकर्ता देवव्रत मैती की हत्या का आरोप है।**

पीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखने के साथ ही याचिकाकर्ता को इस मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की थी।

सीबीआई ने सुपियन की याचिका का विरोध करते हुए अपने हलफनामे में अदालत से कहा था कि याचिकाकर्ता ने नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को वोट देने वाले हिंदुओं को सबक सिखाने के लिए कथित तौर पर एक आपराधिक साजिश रची थी। एजेंसी ने दावा किया है कि सुपियन ने कथित तौर पर स्थानीय ग्रामीणों पर हिंसक हमले किये और इसी दौरान देवव्रत मैती की मौत हो गई।

बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा चुनाव में अपने पूर्व सहयोगी भाजपा प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी से चुनाव हार गई थीं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य में हुई हत्याओं और यौन उत्पीड़न की विभिन्न घटनाओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

कश्मीर में आतंकी व उनके सहयोगियों समेत 11 लोग गिरफ्तार

सुरक्षाबलों ने अनंतनाग में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकी मॉड्यूल्स का पर्दाफाश किया

श्रीनगर, 9 फरवरी (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को दावा किया कि उसने अनंतनाग जिले में जैश-ए-मोहम्मद के दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर तीन हाईब्रिड आतंकवादियों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि पुलिस ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर कई चौकियों की स्थापना के बाद एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। जैश के आतंकवादी अनंतनाग के श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा इलाकों में सुरक्षा बलों पर हमले करने की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया, श्रीगुफवाड़ा के पार सखरास में ऐसी ही एक चौकी पर जब दो पिलर सवारों के साथ एक बाइक सवार को रोका गया। तो उन्होंने भागने का प्रयास किया लेकिन सतर्क पुलिस दल ने चतुराई के साथ उन्हें पकड़ लिया। उनकी तलाशी में चीन में निर्मित दो पिस्तौल के साथ मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि तीनों की पहचान अब्बास आह खान, जहूर अहमद गौगुजरी और हिदायतुल्ला कुताय के रूप में हुई है। ये सभी अनंतनाग के रहने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि पूछताछ में हुए खुलासे के बाद दो और आतंकवादी सहयोगी शाकिर अहमद गोगोजरी और मुशर्रफ अमीन शाह को गिरफ्तार किया गया है। इसी तरह, अनंतनाग पुलिस ने केएफएफ के छह आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार कर बिजबेहरा इलाके में एक और आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और उनके कब्जे से गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान फैयाज आह खान, मुंतजिर राशिद मीर, मोहम्मद आरिफ खान, आदिल अहमद तारे, जाहिद अहमद नजर के रूप में हुई है और छठे किशोर की पहचान उजागर नहीं की गई है।

■ **सुरक्षाबलों को आतंकियों की तलाशी में चीन में निर्मित दो पिस्तौल के साथ मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ है।**

इस वर्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त में खाली होगा। यह निर्णय तो पंजाब विधानसभा चुनाव ही करेगा कि, किस दल को कितनी सीटें मिलती हैं। सर्वाधिक 11 राज्यसभा सीटें जुलाई में उत्तर प्रदेश से खाली होंगी। लेकिन उत्तर प्रदेश में भी इस बात का फैसला विधानसभा चुनाव ही करेंगे कि, राज्यसभा की किस दल को कितनी सीटें मिल पाती हैं।

नए लोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायकों को सिनेमा दिखाने पिक्चर हॉल ले जाया करती थीं। हम कहते थे कमाल का मामला है।

हमारे विपक्ष के लोगों को भी फिल्म दिखाने ले जा रही हैं। मैंने एतराज किया कि दिनभर तो तुम लोग लड़ते हो और फिर साथ में फिल्म देखते हो। लोग कहेंगे कि आप लोग आपस में मिले हुए हो।''

गहलोत ने बीजेपी विधायकों से शायराना अंदाज में कहा कि ''दुश्मनी जमकर करो, लेकिन ये गुंजाइश रखो कि जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो कभी शर्मिन्दा ना होना पड़े।''

उन्होंने कहा ''आपस में लड़ाई हमारी विचारधारा की है। व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। ये ध्यान रहे कि लक्ष्मण रेखा क्रॉस ना हो।''

देश में करोना की रफ्तार धीमी पड़ी, बुधवार को 71 हजार नये मामले ही सामने आये

गत 24 घंटे में 1.72 लाख मरीज करोना से रिकवर हुये

नई दिल्ली, 9 फरवरी (वार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे में करोना संक्रमण के 71,365 नये मामले सामने आये हैं और इसी के साथ कुल मामलों की संख्या 4,24,10,976 हो गई। कोरोना की इस धीमी पड़ती रफ्तार के बीच राहत की बात यह भी है कि नये मामलों के मुकाबले ठीक होने वाले मरीजों की संख्या अधिक देखने को मिल रही है।

भारत में पिछले 24 घंटे में 1,72,211 मरीजों ने कोरोना को मात दी है जिन्हें शामिल करते हुए अब तक ठीक हो चुके मरीजों की संख्या देश में 4,10,12,869 हो गई है। वहीं, इसी अवधि में 1217 लोगों की महामारी से मौत होने के बाद पूरे देश में कोरोना की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या 5,05,279 तक पहुंच गई है।

देश में मंगलवार को 53,61,099 लोगों को कोरोना के टीके लगाए गए। इसी के साथ यहां अब तक 1,70,87,06,705 टीके लगाये जा चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड के सक्रिय मरीजों की संख्या 1,02,063 घटकर 892828 रह गई है। मौजूदा समय में देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की दर 2.11 प्रतिशत है। वहीं रिकवरी रेट 96.70 प्रतिशत है।

केरल करोना के सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है जहां पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 17,746 की कमी आने से इनकी संख्या घटकर 2,84,437 रह गयी। वहीं 46393 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 5979002 हो गयी है, जबकि 233 लोगों की मौत होने के बाद मृतकों का आंकड़ा 59,939 हो गया है।

कोरोना के सक्रिय मामलों में महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर आ गया है, जहां पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 12011 घटकर 1,10,004 रह गए।

इस दौरान राज्य में 18423 लोग स्वस्थ हुए, जिसके बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 75,57,034 हो गयी। इस महामारी से 24 और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,43,098 हो गया।तमिलनाडु में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 15755 की कमी आने से इनकी संख्या घटकर 90137 रह गयी है।

'सभी विधेयक प्रवर समिति के पास भेजे जायें'

नई दिल्ली, 9 फरवरी (वार्ता)। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के सांसद फारुक अब्दुल्ला ने कहा है कि यदि विपक्ष मांग करे तो सरकार को संसद में कोई भी विधेयक लाने से पहले उसे प्रवर समिति में भेजा जाना चाहिए अन्यथा कृषि कानून की तरह बाद में विवाद पैदा हो सकता है।

वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा में तीसरे दिन जारी चर्चा की शुरुआत करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि देश मे गरीब और गरीब हो रहा है और अमीरों की संपत्ति बढ़ रही है। मनरेगा के बजट में कटौती करना अनुचित है।

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर्यटन है। इससे लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी है। सरकार को पर्यटन को उद्योग का दर्जा देना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के दिलीप घोष ने कहा कि यह बजट कोरोना महामारी में नुकसान से उभारने और अर्थनीति को पटरी पर लाने के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर लाया गया है।

उन्होंने कहा कि यह बजट ऊपर से सामान्य प्रतीत हो सकता है लेकिन समावेशी है और अगले 25 वर्षों के विकास लक्ष्यों को हासिल करने का रोडमैप है।

क्वाड देशों की बैठक में शामिल होने विदेश मंत्री जयशंकर ऑस्ट्रेलिया जायेंगे

गौरतलब है कि, अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया ने भारत और जापान को मिलाकर चार साझेदार देशों का गठजोड़ (क्वाड) तैयार किया है

नई दिल्ली, 9 फरवरी (वार्ता)। विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत अमेरिका, जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय गठजोड़ (क्वाड) के विदेश मंत्रियों की चौथी बैठक में भाग लेने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया एवं फिलीपीन्स की यात्रा पर जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान बताया कि डॉ. जयशंकर ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मैरिस पायने के निमंत्रण पर 10 से 13 फरवरी तक मेलबोर्न में रहेंगे जहां वह 11 फरवरी को क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। इस बैठक में क्षेत्रीय सामरिक मुद्दों पर चर्चा होगी जो एक स्वतंत्र, मुक्त एवं समावेशी हिन्द प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण पर आधारित होगी। इस बैठक में कोविड महामारी, आपूर्ति श्रृंखला, क्रिटिकल तकनीक, जलवायु परिवर्तन, अवसंरचना आदि के बारे में भी विचार विमर्श होगा। बयान के अनुसार 12 फरवरी को भारत एवं ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों के फ्रेमवर्क की 12वीं बैठक होगी जिसमें दोनों देशों की समग्र रणनीतिक साझीदारी की प्रगति की समीक्षा के साथ ही द्विपक्षीय, बहुपक्षीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा होगी। इसी दिन डॉ. जयशंकर एवं सुश्री पायने विदेश मंत्रियों की साइबर फ्रेमवर्क संवाद के उद्घाटन सत्र की सह अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्री ऑस्ट्रेलिया के राजनीतिक नेताओं, शिक्षाविदों, कारोबारियों, छात्रों एवं प्रवासी समुदाय के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे। डॉ. जयशंकर 13 से 15 फरवरी तक फिलीपीन्स की यात्रा पर रहेंगे जहां उनकी मेजबान देश के विदेश मंत्री टियोडोरो एल लॉकसिन से भेंट होगी। दोनों मंत्री द्विपक्षीय सहयोग के लिए बने संयुक्त आयोग की बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्री मनीला में प्रवासी समुदाय के लोगों से भी भेंट करेंगे।

■ **विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि डॉ. जयशंकर ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री मैरिस पायने के निमंत्रण पर 10 से 13 फरवरी तक मैलबर्न में रहेंगे जहां वे 11 फरवरी को क्वाड मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे।**

भाजपा अभी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का दावा कर सकती है।

पिछले विधानसभा चुनावों में 300 से अधिक सीटें जीतने में, भगवा पार्टी ने पूरे राज्य में 100 से अधिक सीटों की बढ़त हासिल की थी। सपा के नेतृत्व वाला गठबंधन, भाजपा के लिये मुख्य चुनौती के रूप में बहुत अच्छी तरह उभर कर आया है। लेकिन सवाल यह है: क्या सपा ''फिनिशिंग लाइन'' को छू पाएगी?

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908